0646CH06

छठा पाठ

झरना

शिक्षण बिंदु

ऐ ै झ ढ ढ़ थ फ

ऐनक — ऐ न क

थैला — थै ला

झरना — झ र ना
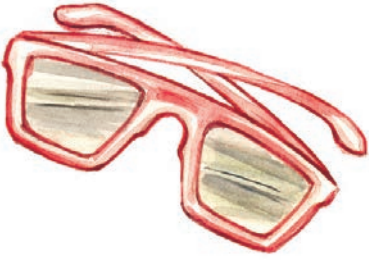
फल — फ ल

सीढ़ी — सी ढ़ी

ढोलक — ढो ल क

शिक्षण संकेत

- श्यामपट पर **झरना** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
- इसी तरह **ऐनक, फल, थैला, ढोलक, सीढ़ी** के चित्र दिखाएँ। वर्णों की अलग-अलग पहचान करवाते हुए बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

थैला	फल	ऐनक	ढोलक	सीढ़ी	झरना
थ	फ	ऐ	ढ	ढ़ी	झ

3. सुनो और बोलो

फल	ऐसा	झाँकी	थन	ऐनक	ऐरावत
फूल	कैसा	झाँसी	फन	झलक	भारतीय
फिर	पैसा	झाड़ी	थाना	ढोलक	झटपट
ढाक	मैदा	सीढ़ी	दाना	मेंढक	झुनझुना
दाल	बैल	झूला	हाथी	फाटक	फुटबाल
साल	भैंस	झोला	साथी	फावड़ा	थुलथुला

4. बार-बार बोलो

डाल-ढाल बला-भला मकान-महान जेल-झेल चाल-जाल कमला-गमला

5. नीचे दिए गए वर्णों को लिखने का अभ्यास करो

6. चित्रों के नाम लिखो
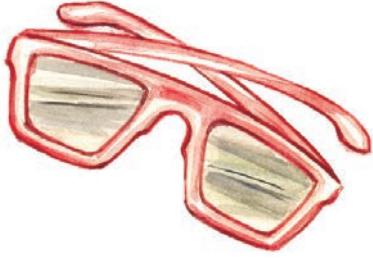
योग्यता विस्तार

- एक स्थान पर चित्र और दूसरे स्थान पर वर्णों के कार्ड रखे होंगे। एक विद्यार्थी एक स्थान से कोई चित्र उठाएगा और दूसरे विद्यार्थी उसके अनुसार वर्णों के कार्ड चुनकर शब्द बनाएँगे।

शिक्षण बिंदु

मैं हूँ / तुम हो/यह / वह है
ये / वे हैं हम / आप

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

मैं अध्यापक हूँ ।

तुम विद्यार्थी हो।

तुम राजन हो।

यह लड़की है।

यह नलिनी है।

आप कौन हैं?

हम भारतीय हैं।

आप कौन हैं?

वह डाकिया है।

यह मेरा भाई है।

वे मेरे पिता जी हैं।

ये मेरे चाचा जी हैं।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे तथा सभी विद्यार्थी एक साथ दोहराएँगे

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम कौन हो?	तुम कौन हो?
मैं विद्यार्थी हूँ।	मैं विद्यार्थी हूँ।
आप कौन हैं?	आप कौन हैं?
मैं अध्यापक हूँ।	मैं अध्यापक हूँ।
हम सब विद्यार्थी हैं।	हम सब विद्यार्थी हैं।
हम सब भारतीय हैं।	हम सब भारतीय हैं।
वह मेरा भाई है।	वह मेरा भाई है।
यह मेरी बहन है।	यह मेरी बहन है।
वे कौन हैं?	वे कौन हैं?

वे भी अध्यापक हैं। वे भी अध्यापक हैं।
ये हमारे साथी हैं। ये हमारे साथी हैं।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक प्रश्न पूछेंगे और विद्यार्थी उत्तर देंगे–

अध्यापक	विद्यार्थी
तुम कौन हो?	मैं विद्यार्थी हूँ। मेरा नाम अनिल है।
यह कौन है?	यह सरिता है। यह मेरी बहन है।
वह लड़का कौन है?	वह गोपाल है। वह मेरा भाई है।
आप का घर कहाँ है?	हमारा घर गाँधी नगर में है।
ये लोग कौन हैं?	वे लोग जापानी हैं।
क्या, ये तुम्हारे पिता जी हैं?	जी हाँ, ये मेरे पिता जी हैं।

योग्यता विस्तार

- ऊपर दिए गए संवादों के अनुसार विद्यार्थी आपस में संवाद करेंगे।
- घर में आए हुए सहपाठी से अपने परिवारजनों का परिचय करवाएँगे।
- विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूह में बाँटकर कुछ विषय बातचीत के लिए दिए जाएँ। जैसे- घर, परिवार, भारत। अध्यापक उनकी बातचीत को दूर से ही ध्यानपूर्वक सुनें।